# INDIAN SCHOOL SOHAR
## SUMMATIVE ASSESSMENT II
## CLASS : VIII

**Date: 12 -03 -2014** **Max.Marks:60**

**Subject: Hindi** **Time: 2 Hours**

सामान्य निर्देश : **(1)** इस प्रश्न- पत्र के दो खंड हैं -क ,ख। दोनों खंडों के उत्तर देना अनिवार्य है।

**(2)** कृपया जाँच कर लीजिए कि इस प्रश्न- पत्र में **12** प्रश्न हैं।

**(3)** प्रश्न का उत्तर लिखने से पहले प्रश्न संख्या अवश्य लिखिए।

### ( खंड 'क' - व्याकरण एवं रचना )

प्रश्न **(1)** निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **[5]**

छोटे-छोटे तिनके जब तक बिखरे रहते हैं, तब तक उनमें किसी प्रकार की शक्ति नहीं होती , पर यही तिनके जब आपस में मिल जाते हैं तो मजबूत रस्सी बन जाती है। उसमें हाथी को बाँधने की क्षमता आ जाती है। इस प्रकार मन की तमाम बिखरी शक्तियों को एक साथ बाँध लेने पर आप इस रस्सी से अपने जीवन की प्रत्येक आकांक्षा को अपना दास बना सकते हैं, अपने पास बाँधकर रख सकते हैं, यही मूलमंत्र अपने आप को पहचानने का है। किरणें एक बिंदु पर एकत्र होती हैं तो आग लगा देती हैं - सारी समस्या ध्यान को एक बिंदु पर एकत्रित करने की है। अपना रास्ता स्वयं बनाएँ, अपना जीवन स्वयं सँवारें। किसी और के सहारे न चलें - आप कुछ भी हों, कुछ भी चाहें, आपको सब मिल सकता है - बशर्ते कि आप से जो कुछ कहा गया है, उस पर पूरी लगन और ईमानदारी से काम करें। आपकी सब इच्छाएँ पूरी होंगी।

(क) तिनकों में शक्ति क्यों नहीं होती ?
(ख) तिनकों में हाथी को बाँधने की शक्ति कब आ जाती है ?
(ग) बिखरी शक्तियों को एकत्रित करने से क्या लाभ है ?
(घ ) हम जो कुछ चाहते हैं , वह सब हमें कैसे प्राप्त हो सकता है ?
(ङ) इस गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए।

प्रश्न **(2)** निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **[5]**

डॉक्टर एनी बेसेंट ने सर्वप्रथम विद्यालयों में प्रार्थना-सभा की परंपरा आरंभ की। वे हिंदू शास्त्रों में अत्यधिक रुचि रखती थीं। उन्होंने कहा कि मनुष्य अपने विचारों द्वारा बना है। मनुष्य जैसा सोचता है,वैसा ही बन जाता है। अतएव हमें नित्य ही उस अनंत का चिंतन करना चाहिए। भगवान बुद्ध ने भी कहा है- हम जो कुछ हैं,अपने विचारों द्वारा ही बने हैं। विचार कार्य को जन्म देता है। हम जैसा विचार करते हैं,वही रूप हमारा स्वभाव धारण कर लेता है। तुम अपने स्वभाव का निरीक्षण करके उसका कोई दोष या अवगुण ढूँढ़ लो। अब देखो कि इस अवगुण का विपरीत गुण क्या है?मान लो तुम बड़े चिड़चिड़े स्वभाव के हो। अब इसके विपरीत गुण धैर्य को ले लो,और नियमित रूप से प्रात:काल सांसारिक कार्यों से निवृत्त होकर चार-पाँच मिनट तक शांत

भाव से बैठो और विचार करो। कदाचित कुछ दिनों तक कोई परिवर्तन दृष्टिगोचर न होगा तथा चिड़चिड़ापन तुम अभी भी अनुभव करोगे और उसे प्रकट भी कर दोगे ,लेकिन नित्य प्रात: अभ्यास करते जाओ और अंत में तुम देखोगे कि चिड़चिड़ापन तुम्हारे अंदर से एकदम विलुप्त हो गया है।

(क) डॉक्टर एनी बेसेंट ने कौन सी परंपरा आरंभ की ?
(ख) डॉक्टर एनी बेसेंट किसमें अत्यधिक रुचि रखती थीं ?
(ग) हमारा स्वभाव कैसा रूप धारण कर लेता है ?
(घ) लेखिका ने अवगुण दूर करने के लिए क्या सुझाव दिया है ?
(ङ) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए ।

प्रश्न (3) (क) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए । [2]
समस्या , लायक , उदास , स्वतंत्र

(ख) निम्नलिखित शब्दों के दो- दो अनेकार्थी शब्द लिखिए। [2]
स्नेह , लोक

(ग) निम्नलिखित शब्दों के दो- दो पर्यायवाची शब्द लिखिए। [2]
अभिलाषा , कोशिश

प्रश्न (4) (क) निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए। [2]
महात्मा , परोपकार

(ख) निम्नलिखित वाक्यों के वाच्य निर्देशानुसार बदलिए। [2]
(i) प्रधानचार्या ने छात्रों को पुरस्कार दिए। ( कर्मवाच्य में )
(ii) उसके द्वारा बहुत -सी पुस्तकें पढ़ी गईं। ( कर्तृवाच्य में )

(ग) निम्नलिखित पंक्तियों में दिए गए अलंकारों को पहचानकर लिखिए। [1]
(i) देख लो साकेत नगरी है यही,
स्वर्ग से मिलने गगन को जा रही ।
(ii) रघुपति राघव राज राम।

प्रश्न (5) (क) निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध कीजिए। [1]
(i) उसके आँखों से आँसू गिरा।
(ii) कठिन प्रश्न देखकर तुम्हारे चेहरे पर हवाइयाँ क्यों दौड़ने लगीं ?

(ख) निम्नलिखित शब्दों की वर्तनी शुद्ध कीजिए। [1]
आश्चर्य , इतिहासिक

(ग) निम्नलिखित शब्दों से उपसर्ग और प्रत्यय अलग करके लिखिए। [1]
स्वदेश , सांसारिक

प्रश्न (6) (क) निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित के कारक-भेद लिखिए। [1]

(i) श्रुति की पुस्तक फट गई।

(ii) आदर्श सीरिल से बुद्धिमान है।

(ख) निम्नलिखित शब्दों के लिंग बदलिए। [1]

युवक , स्वामी

प्रश्न (7) निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखिए। [4]

(i) सच्चा मित्र

(ii) परिश्रम का महत्व

(iii) विद्यालय का खेल-दिवस

प्रश्न (8) विद्यालय में होनेवाली गतिविधियों का वर्णन हुए अपने मित्र को पत्र लिखिए। [5]

अथवा

नगर निगम के स्वास्थ्य अधिकारी को मोहल्ले की सफाई के लिए आग्रह करते हुए पत्र लिखिए।

## ( खंड 'ख' - 'साहित्य' )

प्रश्न (9) (क) निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए। [5]

अश्वारोही , तिरस्कार , अनुसंधान , मृतप्राय , पारखी

(ख) निम्नलिखित शब्दों तथा मुहावरों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए। [4]

विश्व , घातक , परलोक सिधारना , सीधा कर देना

प्रश्न (10) निम्नलिखित काव्यांश पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। [4]

जहाँ मन निर्भय हो
और मस्तक गर्व से ऊँचा हो ,
जहाँ ज्ञान सहज ही प्राप्त हो
जहाँ विश्व को बाँटा न गया हो
संकीर्ण दीवारों से !

(1) प्रस्तुत कविता तथा इसके कवि का नाम लिखिए।

(2) "मन निर्भय हो" के द्वारा कवि क्या कहना चाहते हैं ?

(3) मस्तक गर्व से ऊँचा कब होता है?

(4) संकीर्ण दीवारों से कवि का क्या तात्पर्य है ?

प्रश्न (11) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं 2 प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए। [2]

(1) संक्रामक रोग किसे कहते हैं ? कुछ संक्रामक रोगों के नाम लिखिए।
(2) मधूलिका ने भूमि का मूल्य क्यों नहीं लिया ?
(3) शरीर में एच.आई.वी. होने का क्या परिणाम होता है ?

प्रश्न (12) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं 4 प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए । [10]

(1) विजय वकील के मन में कौन-सी धारणा प्रदूषण की तरह घर कर गई थी ?
(2) राजा का अनुग्रह न लेने से मधूलिका के जीवन में क्या परिवर्तन आया ?
(3) सुब्रह्मण्यम का जन्म कब और कहाँ हुआ ? उन्हें 'भारती' की उपाधि किससे मिली ?
(4) मास्टर जी ने विजय को पेपर पूरा करने के लिए परीक्षा-कक्ष में वापस क्यों भेज दिया ?
(5) बाँस जल्दी ही क्यों कट गया ? बाँसुरी बनने पर बाँस को कैसा लगा ?